

567. *abgeneigt, feindlich*: सदैव लोकादिष्टाः पन्नगाः सर्व एव MBu. 14, 750. निधनाग्र मतिं चक्रे कंसदिष्टेन चेतसा HARIV. 4673; vgl. कृत°.

— *अनु seinen Hass gegen Jmd auslassen*: नानुदिष्टि कलिं सभाट् BHāg. P. 1, 18, 7.

— *प्र eine Abneigung haben, anfeinden, hassen*: मामात्मपरदेहेषु प्र-द्विषत्तः BHāg. 16, 18. MBu. 5, 2616, 9, 2421. प्रादिषन् 12, 4122, 16, 42. प्र-द्विषती (भाषा) 1, 4198. R. GORR. 2, 20, 16. med.: आश्रमस्थान्विधर्मस्थाः प्रादिषत् परस्परम् MBu. 12, 8397. अर्थानिष्टान्कामयते स्वभावः सर्वान्दि-ष्यान्प्रद्विषते स्वभावः 14, 789. — Vgl. प्रदिष्, °द्वेष, °द्वेषण.

— *वि 1) eine Abneigung haben, anfeinden, sich feindlich verhalten gegen*: वायुः समुद्रं विद्वेष्टि Schol. zu KĪTJ. Ça. 25, 14, 27. गोपा विद्विषन्ति ममोत्सवम् HARIV. 3893. med.: न विद्विषाणस्य च सर्वदेवान् MBu. 14, 791. विद्विषत् *feindlich gesinnt, Feind* BHāg. P. 4, 3, 1. न्यस्तं पदं शिरसि विद्विषताम् BHART. 3, 68. AK. 2, 8, 2, 42. विद्विष्ट *verhasst*: लोक° M. 2, 57. Jāg. 1, 156. R. 2, 23, 11. ब्रह्म° 3, 35, 70. *feindlich gesinnt gegen* (loc.) MBu. 7, 8215. *in Feindschaft —, im Widerspruch stehend zu*: एतदप्य-र्थविद्विष्टं नोदाकर्तुमिहार्हसि R. GORR. 2, 116, 46. — 2) med. *sich gegen-seitig abgeneigt sein, sich anfeinden*: येन देवा न विपत्तिं नो च विद्विषते मिथः AV. 3, 30, 4. मा विद्विषावकैः KATHOP. 6, 19. TAITT. UP. 2, 10. PĀR. GĀHJ. 2, 10. KĪTJ. Ça. 25, 8, 16. ÇĀNKH. Ça. 13, 5, 1. — *caus. zu Feinden machen, unter sich verfeinden*: स्वशत्रून्विद्वेषयन् BHART. 12, 31. — Vgl. विद्वेष, °द्वेषण, °द्वेषम्, °द्वेषिन्.

— *सम् anfeinden, hassen*: युष्माभिर्नित्यसंदिष्टः MBu. 12, 53.

2. द्विष् (= 1. द्विष्) f. *Anfeindung, Missgunst, Hass*; concret: *feindliches Wesen, Feind*: (ऋषिद्विषे) इषुं न संजत द्विषम् RV. 1, 39, 10. पाकि विश्वस्या अरतिः। उत द्विषो मर्त्यस्य 8, 60, 1. द्विषो अर्कसि उरिता तरेम 6, 2, 11. 1, 41, 3. (वि) बाधेस्व द्विषो रत्नसो अमीवाः 3, 15, 1. 2, 11, 3. कृता-वी पर्याति द्विषः 5, 25, 1. व्येतु दिग्युद्धिषाम् 7, 34, 13. 10, 126, 2. AV. 2, 6, 5. PĀNĀV. Ba. 15, 4, 4. Häufig adj. (am Ende eines comp.; vgl. P. 3, 2, 61) *feindlich gesinnt gegen, abgeneigt*; m. *Feind* AK. 2, 8, 1, 1. 3, 4, 24, 148. H. 729. परेऽन्तप्रिया इव हि देवाः प्रत्यन्तद्विषः ÇAT. Br. 14, 6, 11, 2. ब्रह्मधर्म° M. 3, 4, 1. मख° RAGH. 3, 45. गुण° BHART. 2, 49. पुरुष° BHāg. P. 3, 1, 13. 4, 4, 30. तदभिमते प्रेम तद्विषि द्वेषः PĀNĀT. I, 80. असुर° SUND. 2, 11. Arā. 10, 17. द्विष्टुविन् M. 9, 232. मम द्विषि MBu. 4, 509. Jāg. 1, 215. R. 2, 23, 35. RAGH. 12, 11. VARĀH. BRH. S. 42 (43). 60. 69, 28. KATHĀS. 13, 12. 21, 6. BHāg. P. 1, 8, 50. 4, 3, 24. RĀGĀ-TAR. 6, 247. — Vgl. अन्त°, ऋषि°, एधमान°, ब्रह्म°.

द्विष (von 1. द्विष्) adj. am Ende eines comp. *anfeindend, hassend*; davon द्विषता f. *Anfeindung, das Hassen*: तन्मित्रपूजा तद्विद्विषत्वम् VARĀH. BRH. S. 77, 6. द्विष m. *Feind* COLLEBR. und LOIS. zu AK. 2, 8, 1, 11.

द्विषंक्षित (द्वि + संक्षित) adj. *zweimal zusammengelegt*: अज्ञिनानि PĀNĀV. Ba. 17, 1 in Ind. St. 1, 33, 1 v. u.

द्विषणी s. तुरंग°.

द्विषण्डक m. *ein vor Wind und Kälte schützendes Kleidungsstück* H. c. 136. — Viell. द्विख° (द्वि + खण्ड *Stück, Theil*) zu lesen.

द्विषदा f. *Polianthes tuberosa* NIGH. Pa.

द्विषंतप (द्विषम्, acc. von 2. द्विष्, + तप) adj. *den Feind bedrängend, ihm zusetzend* P. 3, 2, 39. 6, 3, 67. 4, 94.

द्विषंधि (द्वि + संधि) adj. *doppelten Saṁdhi zulassend*: विवृत्ति RV.

III. Theil.

PRĀT. 2, 44. 15, 11. Auch द्विसंधि geschrieben P. 3, 3, 106, Sch.

द्विषष् (द्वि + षष्) *zweimal sechs, zwölf* BHāg. P. 4, 1, 7.

द्विषष्ट (von द्विषष्टि) adj. *der 62ste* MBu. 1. 3. 4 in den Unterschrr. der Adhājā.

द्विषष्टि (द्वि + षष्) f. 62 P. 6, 3, 49. MBu. 1 und 3 in den Unterschrr. der 162sten Adhājā. — Vgl. द्वाषष्टि.

द्विषष्टितम (vom vorherg.) adj. *der 62ste* MBu. 2. R. GORR. 1. 2. 3. 8. 6 in den Unterschrr. der Adhājā und Sārga.

द्विषा f. *Kardamomen* NIGH. Pa.

द्विषाष्टिक (von द्विषष्टि) adj. *aus 62 bestehend, 62 werth u. s. w.* P. 1, 1, 72. VĀRTT. 13, Sch. P. 5, 1, 57. Sch. 7, 3, 15, Sch.

द्विषाक्ष ved. = द्विसाक्ष P. 3, 3, 97, Sch.

द्विषूक्त (द्वि + मूक्त) adj. *zwei Sūkta habend* ÇĀNKH. Bu. 29, 8. Ça. 10, 11, 30.

द्विषेय (von 1. द्विष्) s. अ°.

द्विष्ट 1) partic. s. u. 1. द्विष्. — 2) n. = द्यष्ट *Kupfer* SĀRGA. zu AK. 2, 9, 98. ÇKDR.

द्विष्टमाम् und द्विष्टराम् adv. mit der Endung des superl. und comp. von द्विष् P. 3, 2, 27, Sch.

द्विष्ट (द्वि + स्थ) adj. *an zwei Orten stehend* P. 3, 3, 97. SĀRGA. 1, 50. VJUTP. 110. Davon nom. abstr. °ताः संयोगस्य द्विष्टतया ĠAGANĪCA im ÇKDR.

द्विस् (von द्वि) adv. *zweimal* P. 5, 4, 18. VOP. 7, 71. स kann vor क. ख, प, फ in ष übergehen P. 3, 3, 43. त्रनृत्तो द्विर्दश RV. 1, 53, 9. 122, 13. द्वि-र्यं पञ्च जीजन्तु (स्वसारः) 4, 6, 8. द्विर्धर्मरुतो वावृधत् 6, 66, 2. 2, 59, 12. TBA. 2, 1, 1. द्विस्तावत् ÇAT. Br. 14, 6, 2. HARIV. 6927. R. 3, 61, 22. — ÇAT. Br. 5, 1, 3, 5. AIT. B. 3, 31. KĪTJ. Ça. 2, 4, 15. M. 2, 60. MBu. 13, 4938. KUMĀRAS. 6, 64. BHāg. P. 2, 9, 6. AK. 2, 6, 4, 23. H. 660. द्विरङ्गः, अङ्गा and अङ्गि भुङ्गे P. 2, 3, 64, Sch. 5, Sch.

द्विसंधि s. u. द्विषंधि.

द्विसप्तत (vom folg.) adj. *der 72ste* MBu. 1. 3. 4 in den Unterschrr. der Adhājā.

द्विसप्तति (द्वि + सप्त) f. 72 P. 6, 3, 49. M. 7, 157. — Vgl. द्वासप्तति.

द्विसप्ततितम (vom vorherg.) adj. *der 72ste* MBu. 2. R. GORR. 1. 2. 3. 8. 6 in den Unterschrr. der Adhājā und Sārga.

द्विसप्तथा (von द्वि + सप्तन्) adv. *in 14 Theile, — Theilen* BHāg. P. 3, 10, 8.

द्विसम (द्वि + सम) adj. *aus zwei gleichen Theilen bestehend, zwei gleiche* (Seiten u. s. w.) *habend*: °त्रिभुज, चतुरस्र COLLEBR. Alg. 293.

द्विसाक्ष (द्वि + सक्ष) 1) n. 2000 P. 6, 3, 47, VĀRTT. Sch. — 2) adj. 2000 *werth u. s. w.* P. 4, 3, 156, Sch. 5, 1, 29, Sch.; vgl. द्विसा°.

द्विसाक्षान् (द्वि° + अक्ष = अक्षि) adj. *zweitausend Augen habend*; m. Bein. Çesha's, Königs der Nāga, HARIV. 1307.

द्विसावत्सरिक (द्वि + संवत्सर) adj. *zweijährig, für zwei Jahre bestimmt* u. s. w. P. 7, 3, 15, Sch.

द्विसाप्ततिक (von द्विसप्तति) adj. 72 *werth u. s. w.* P. 7, 3, 15, Sch.

द्विसाक्ष (von द्विसाक्ष 1.) adj. 2000 *werth, aus 2000 bestehend u. s. w.* P. 4, 3, 156, Sch. 5, 1, 29, Sch. द्विसाक्षो मध्यमलोकाधातुः VJUTP. 87. = °षाक्ष P. 3, 3, 106, Sch. — Vgl. द्विस°.